PATRIKA, Ahmedabad, 1.9.2019
Page No. 4, Size:(15.48)cms X (12.40)cms.

थाणे बुलेट ट्रेन स्टेशन की बदलेगी डिजाइन, कटने से बचेंगे 21 हजार पेड़

एक पेड़ कटेगा तो पांच पेड़ लगेंगे

अहमदाबाद. थाणे बुलेट ट्रेन स्टेशन की डिजाइन बदलेगी। डिजाइन बदलने का कारण 53 हजार पेड़ प्रभावित हो रहे थे, लेकिन नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने इस स्टेशन की डिजाइन में बदलाव किया जिसके चलते अब 53 हजार के बजाय सिर्फ 32,044 ही पेड़ कटेंगे।

इस तरह 21 हजार मैंग्रूव को बचाया जा सकेगा। इस परियोजना से जितने पेड़ प्रभावित होंगे, उसके एवज में 1:5 के अनुपात में एनएचआरसीएल राशि जमा कराएगी। इसके लिए कंपनी ने बकायदा एक प्रकोष्ठ बनाया है, जिसमें यह राशि जमा होगी। इस तरह यदि एक पेड़ कटेगा तो इसके एवज पांच पेड़ कंपनी लगाएगी।

नेशनल हाइस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) के प्रबंध निदेशक अचल खरे ने कहा कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए वन, वन्य जीव एवं कोस्टल रेगुलेशन जोन (सीआरज़ेड) की सभी मंजूरी कुछ शर्तों के साथ मिल चुकी हैं। पर्यावरण मंत्रालय की शर्त थी कि थाणे स्टेशन के डिजाइन की समीक्षा करें ताकि पेड़ न्यूनतम प्रभावित हो सके। उन्होंने कहा कि जापानी इंजीनियर के साथ काफी मंथन के बाद थाणे स्टेशन की डिजाइन को परिवर्तित किया गया।

उन्होंने कहा कि पैसेंजर्स एरिया जैसे पार्किंग एरिया और पैसेंजर हैंडलिंग एरिया को पेड़ से बाहर कर दिया गया है। थाणे में पहले 12 हेक्टेयर पेड़ का क्षेत्र प्रभावित हो रहा था अब केवल 3 हेक्टेयर प्रभावित हो रहा है। इस तरीके से करीब 21000 पेड़ में कमी लाई गई। अब इस प्रोजेक्ट में सिर्फ 32044 पेड़ ही प्रभावित हो रहे हैं, जो पहले 53000 पेड़ प्रभावित हो रहे थे। इसके एवज में 1,60,000 पेड़ लगाए जाएंगे।